SSMCH
HOSPITAL • RESEARCH • EDUCATION
"सर्वे सन्तु निरामया"

सुख सागर टाइम्स

सुखसागर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल

अप्रैल-जून 2023 | अंक 2

डॉ. राजेश सिंघई को G-20 जन-सहयोग सम्मान

GAR/23/501

GLOBAL ACHIEVERS RECORDS

CERTIFICATE

DR. RAJESH KUMAR SINGHAI

THE MOST SPEECHES IN 24 HOURS WITH 320 SPEAKERS IS ACHIEVED BY DR. RAJESH KUMAR SINGHAI IN G-20 JAN BHAGIDARI SUMMIT DELHI (INDIA) ON 8 APRIL 2023

SAKSHI SINGHAL (EDITOR)
GLOBAL ACHIEVERS RECORDS

डॉ. राजेश सिंघई को G-20 जन-सहयोग सम्मेलन में उनके चिकित्सा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. सिंघई ने अपने कार्य के उस समय का ज़िक्र किया जब वह बस्तर और आबूझमाड़ के जंगलों में रह कर काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि उस समय मे उन घने जंगलों में पगडंडियों पर चल कर उन सीधे -सच्चे ,सरल आदिवासियों की चिकित्सा करना बहुत दुष्कर था। उनके पैरों में बहुत अजीब तरह के घाव होते थे जो सामान्य उपलब्ध दवाओं से ठीक नही होते थे केवल पेंसिलिन से ही ठीक होते थे। मैंने कई जानकार वरिष्ठ डॉक्टरों और मित्रों से इस बावत बात की डॉक्टर और अन्य चिकित्सा जगत के लोग इसे गोटूल में फैलने वाली एसटीडी बीमारी मानते थे पर मैंने इस पर बहुत शोध किया और यह निष्कर्ष निकाला कि यह बीमारी याज थी । जिसमें पैरों में गहरे और दर्दनाक घाव हो जाते हैं मैंने उनका उपचार किया और बीमारी को पूर्णतः समाप्त किया ।

विदित रहे कि भारत इस वर्षांत 2023 तक G-20 का अध्यक्ष है। इस सम्मान समारोह का आयोजन 8 अप्रैल 2023 को नई दिल्ली में किया गया था।

G20
भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

नर्सें सच की हमारी सिस्टर्स हैं : डॉ. डी.पी.लोकवानी

अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

12 मई

दिवस-1

पोस्टर प्रतियोगता

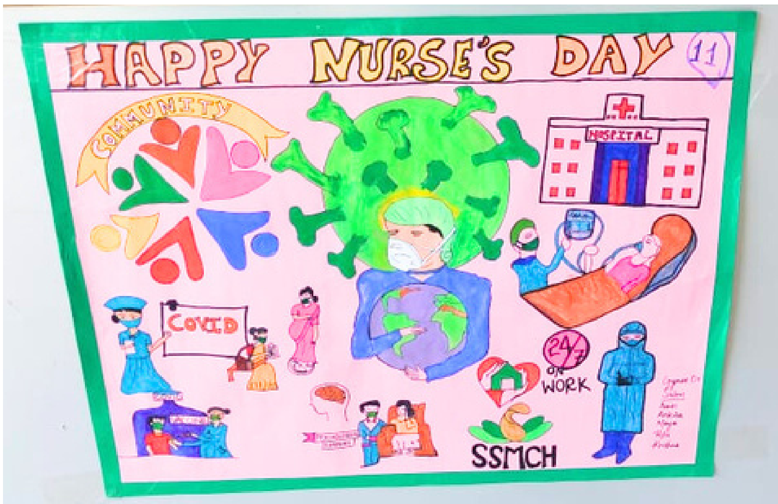

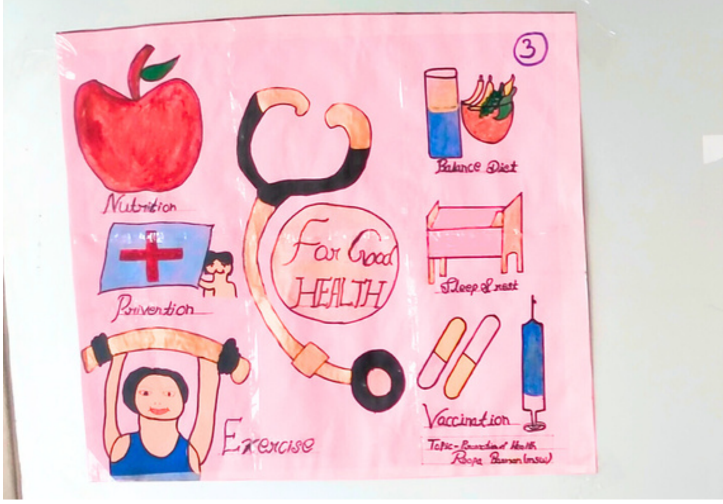

दिवस-2 नृत्य और गायन प्रतियोगिता

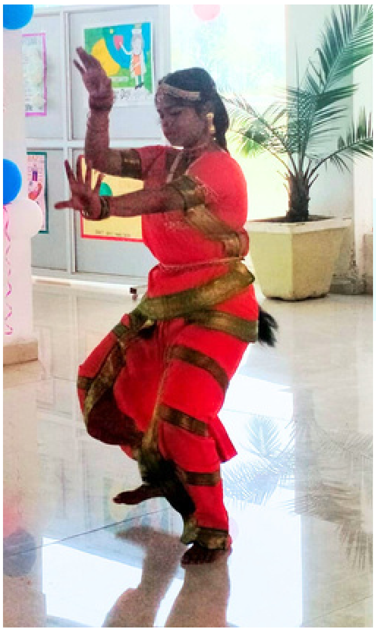

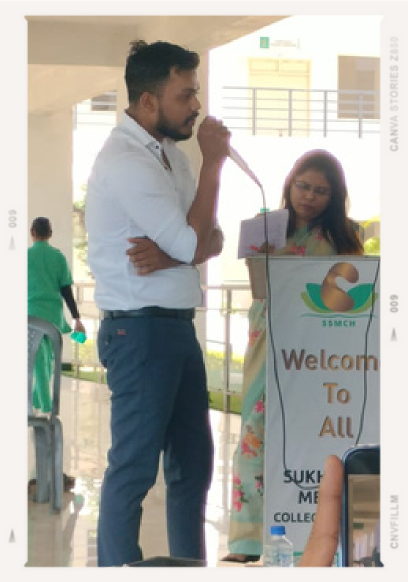

दिवस-3 पुरस्कार वितरण

पीड़ित मानवता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध सुख सागर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के अवसर पर नर्सिंग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बोलते हुए मेडिकल डायरेक्टर डॉक्टर लोकवानी ने नर्सेस को चिकित्सा सिस्टम की रीढ़ की हड्डी कहा। उन्होंने कहा कि डॉक्टर के साथ मरीज़ का साथ केवल कुछ समय का होता है पर नर्स उस उपचार को सुचारू रूप से चलाने वाली कड़ी होती है इसलिये उन्हें इतने आत्मीय और पारिवारिक संबोधन सिस्टर कहकर बुलाया जाता है। नर्सों का उत्साह बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि उनके बिना चिकित्सकीय जगत की कल्पना भी नही की जा सकती है।

मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. कवनीत खन्ना ने भी नर्सों को उनके काम और सेवा भाव के लिए धन्यवाद दिया।

हॉस्पिटल के मेडिकल सुप्रिडेन्डेन्ट डॉ. निपुन अग्रवाल ने नर्सों को नर्स दिवस की बधाई देते हुए कोविड के समय की स्थिति को याद किया जब कोविड संक्रमित व्यक्ति के पास उनके परिवार के लोग भी नही फटकते थे तब हमारी नर्स उनके पास बैठ कर उन्हें अपने हाथ से खाना खिलातीं थी।

सुख सागर नर्सिंग कॉलेज के प्रिंसिपल श्री रत्नेश ने नर्सों से कहा कि जो रोल मॉडल वह बनेगीं वैसी ही भविष्य में दूसरी नर्सें भी बनेगीं इसलिए उन्हें मॉडल बनने का प्रयास करना चाहिये

तीन दिन से चल रहे नर्स उत्सव कार्यक्रम में कई प्रतियोगिताएं जैसे नृत्य ,पोस्टर,गायन आदि आयोजित की गई थी। और उनको पुरस्कार वितरण भी किया गया।

कार्यक्रम के समापन में वोट ऑफ थेंक्स नर्सिंग प्रमुख जेनिफर ने किया।

विश्व मानव संसाधन दिवस

17 मई

विदाई समारोह

डॉ. बी. के. गुहा की सेवानिवृति

31 मई

मेडिकल कॉलेज के लेक्चर हाल 1 में एनाटॉमी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. बी. के. गुहा को रिटायरमेंट की विदाई दी गयी। इस अवसर पर सुखसागर प्रबंधन की तरफ से डॉ. कवनीत खन्ना ने डॉ. गुहा को एक मोमेंटो देते हुए उनके योगदान के लिए आभार जताया।

डॉ. वर्मा ने डॉ. गुहा के साथ अपने 40 साल के साथ को सभी के साथ साझा किया और आभार जताया।

डॉ. प्रदीप कसार वर्तमान डीन सुखसागर मेडिकल कॉलेज ने डॉ. गुहा के जबलपुर मेडिकल कॉलेज के विकास में उनके योगदान के लिए याद किया और अनुरोध किया कि वह अपने मेडिकल प्रोफेशन के अनुभव पर एक पुस्तक लिखें।

डॉ. कवनीत ने डॉ. गुहा की सेवानिवृत्ति को केवल एक विराम बताते हुए कहा कि डॉ. गुहा जबलपुर शहर का सम्मान हैं। उन्होंने उनके अच्छे भविष्य की कामना की।

डॉ. गुहा ने इस अवसर को यादगार बनाने के लिए सभी का आभार जताया।

विदाई समारोह के अंत मे डॉ. अनन्त विजय लखनपाल और डॉ. चंदा रजक ने मधुर गीतों की प्रस्तुति दी ।

इस अवसर पर मेडिकल कॉलेज के सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

31 मई

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर सुख सागर मेडिकल कॉलेज के एम. बी. बी. एस. के छात्र-छात्राओं ने जनजागरण के लिए बरगी बाजार चौराहे स्टेट बैंक के पास नुक्कड़ नाटक किया। इसी क्रम में यही नुक्कड़ नाटक अस्पताल के रिशेप्शन में भी किया गया। इस अवसर पर डीन कार्यालय के सामने छात्र-छात्राओं के बनाये पोस्टर और स्लोगन का प्रदर्शन भी किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस

05 जून

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सुखसागर मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस के छात्रों ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अपने दायित्व को निभाने की शपथ ली।

रक्तदान एक पवित्र कर्तव्य है: डॉ. हरप्रीत कौर बंसल

विश्व रक्तदान दिवस

14 जून

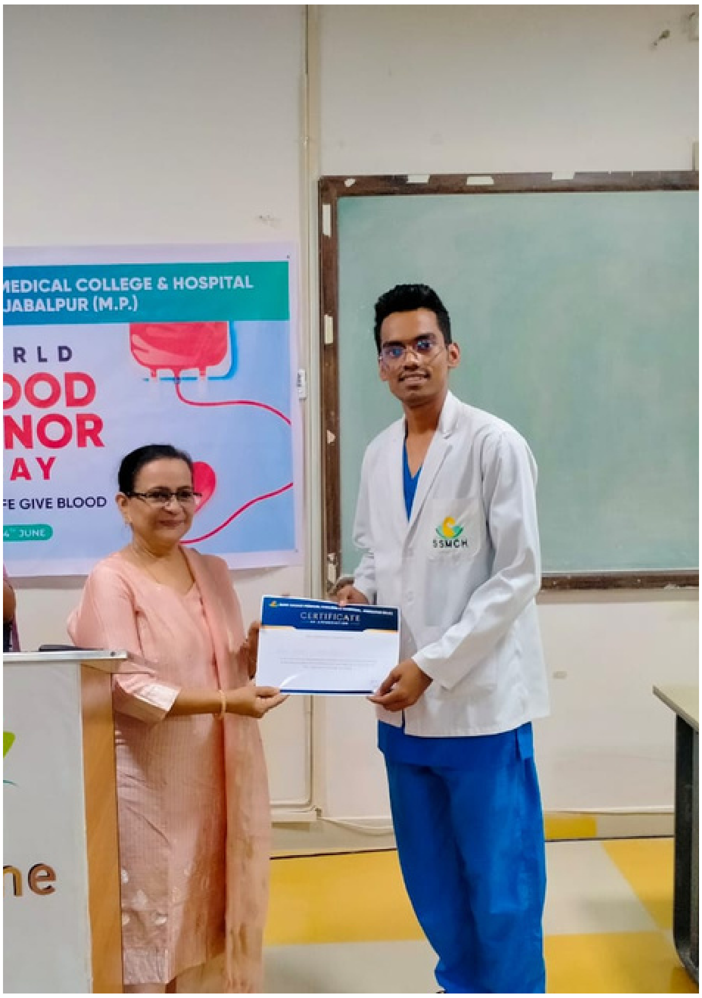
MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
JABALPUR (M.P.)
CERTIFICATE
SSMCH

CERTIFICATE
SSMCH

रक्त दान करने के तुरंत बाद धूप में न जायें एवं वाहन न चलायें।
30 से 35 मिनिट तक आराम करने के बाद चलायें।
तीन माह के पश्चात रक्तदान के लिए पुनः पधारें।
JABALPUR (M.P.)
WORLD
BLOOD
DONOR
DAY
SAVE A LIFE GIVE BLOOD
14TH JUNE

सुखसागर मेडिकल कॉलेज में विश्व रक्तदान दिवस पर भावी डॉक्टर विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ. हरप्रीत कौर बंसल थी।

इस अवसर पर ट्रस्ट की तरफ से डॉ. कवनीत ने पुष्प गुच्छ दे कर डॉ. बंसल का स्वागत किया।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. हरप्रीत कौर ने कहा कि हम सभी समाज से बहुत कुछ लेते हैं , यह ज़रूरी नहीं कि हम धन के रूप में ही उसे वापस करें। रक्तदान करके भी हम पीड़ित मानवता की सेवा में अपना योगदान दे सकते हैं। यह एक पवित्र कर्तव्य है , जब आप रक्तदान करेंगे तो आप इस एहसास को खुद ही समझ जाएंगे। चिकित्सा का क्षेत्र रक्त की कमी से जूझ रहा है। थैलेसीमिया के मरीज़ को हर 15 दिन में रक्त की जरूरत होती है। चिकित्सा जगत को हर 3 मिनिट में रक्त की ज़रूरत होती है। रक्त का एक यूनिट 3 मरीजों के लिए काम आ सकता है। हम खून को बना नही सकते हैं, मनुष्य ही उसका एकमात्र ज़रिया है।

रक्दान बिल्कुल भी पीड़ा दायक नही है। कोई भी व्यक्ति तीन महीने में एक बार रक्तदान कर सकता है।

आप लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरुक करके रक्त की कमी को खत्म करने का प्रयास कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि रक्तदान से कोई कमज़ोरी नही आती है।उन्होंने बताया कि जब रक्तदान करने जाएं तो कुछ खा कर जाएं, यदि किसी बीमारी ,सर्जरी, इंफेक्शन से उठे हैं तो रक्तदान ना करें।

रक्तदान आपको असीम खुशी देता है , एक बार रक्तदान करके तो देखिए। डॉ. हरप्रीत कौर ने मेडिकल के छात्रों को रक्त लेते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे भी बताया। उन्होंने कहा कि सावधान रहें और सुरक्षित रहें।

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. प्रदीप कसार ने डॉ. हरप्रीत को मोमेंटो दे कर सम्मानित किया। कॉलेज की तरफ से इस कार्यक्रम का आयोजन पैथोलॉजी विभाग की विभाग प्रमुख डॉ. सविता वर्मा ने किया।

कार्यक्रम के अंत में मेडिकल के छात्रों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया जिन्होंने रक्दान किया था।

हेल्थ कैंप बरगी

06 मई

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

05 जून

गैरिसन ग्राउंड सदर बाजार जबलपुर में उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ की उपस्थिति में सुखसागर मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों ने योग का प्रदर्शन किया।

सुख सागर मेडिकल कॉलेज के ग्रीन कॉरिडोर मे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एम.बी.बी.एस प्रथम और द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने योग और ध्यान का प्रदर्शन किया।

मेडिकल कॉलेज के फिजियोथेरिपी विभाग के सदस्यों ने भी आपातस्थिति में योग की आवश्यता पर एक संगीतमय प्रस्तुति दी।

योग दिवस के दिशा निर्देशक एडवोकेट रोशन आनंद ने विद्याथियों को ध्यान की शक्ति के बारे में बताया और योग मुद्राएं करवाई।

कार्यक्रम के समापन पर राज स्वामी जी ने आभार प्रदर्शन किया।

ज्ञानजीत ट्रस्ट के अंतर्गत, सुखसागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जबलपुर, मध्यप्रदेश का आंतरिक प्रकाशन, गैर व्यापारिक उद्देश्य हेतु | प्रधान संपादक- श्री बी एस खन्ना।
सलाहकार संपादक-श्री रमनदीप खन्ना |मुख्य संपादक-श्री कौस्तुभ वर्मा |सम्पादक-रंजना | विशेष सहयोग- नौसाद आलम सिद्धिकी | डिजाइनर- नीलम पाण्डेय
ई-मेल : ssmchnewsletter@gmail.com
फ़ोन : +91 9607077886